इस क्षेत्र में केली (Kelley, 1950) द्वारा महत्वपूर्ण प्रयोग किया गया है। एण्डर्सन (Anderson, 1965, 1974) ने योगात्मक मॉडल (additive model) तथा औसत मॉडल (averaging model) का प्रतिपादन कर वैयक्तिक प्रत्यक्षण की स्वरूप की सुयोजित व्याख्या की है। गुणारोपण (attribution) एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति द्वारा किए गए किसी खास व्यवहार के पीछे छिपे कारणों का पता लगाया जाता है। इस क्षेत्र में हाईडर (Heider, 1958) का सिद्धांत, जोन्स तथा डेविस (Jones & Davis, 1965) का सिद्धान्त, केली (Kelley, 1971) का सिद्धांत तथा शेभर (Shaver, 1965) का सिद्धान्त काफी महत्वपूर्ण है। अशाब्दिक सम्प्रेषण (Nonverbal communication) में समस्त मनोवैज्ञानिकों का मुख्य बल इस बात पर रहा है कि हमलोग बिना भाषा के प्रयोग किये ही अपने हाव-भाव (gestures) तथा शारीरिक गतियों (bodily moments) द्वारा किस तरह से दूसरों से बातचीत कर लेते हैं।

3. पूर्वाग्रह तथा विभेद (Prejudice and discrimination) – पूर्वाग्रह एवं विभेद आधुनिक समाज मनोवैज्ञानिकों का एक महत्वपूर्ण कार्यक्षेत्र बन गया है। पूर्वाग्रह एक ऐसी मनोवृत्ति है (Attitude) जो किसी वस्तु या व्यक्ति के प्रति प्रतिकूल (unfavourable) या अनुकूल (favourable) विचारों पर आधारित है। साधारणतः लोग पूर्वाग्रह से मतलब प्रतिकूल विचारों पर आधारित मनोवृत्तियों से होते हैं। परन्तु समाज मनोविज्ञान में अर्थ दोनों तरह की मनोवृत्ति से होता है। जैसे- भारत में कुछ जाति के लोगों की पूर्वाग्रह फिल्मी जगत के सितारों के प्रति अनुकूल (favourable) विचारों पर आधारित होती है। यह ऋणात्मक पूर्वाग्रह (Negative Prejudice) का उदाहरण है। विभेद (discrimination) में व्यक्ति दूसरे व्यक्ति या वस्तु के

K Nand M.A I Sem 25/01/2022

Date.........................

Expt. No......................

Page No......................

प्रति वैरपूर्ण ढंग से (negative) व्यवहार करता है। इस तरह से विभेद का एक प्रकार का ऋणात्मक व्यवहार (Negative behaviour) का उदाहरण है। समाज मनोवैज्ञानिकों का ध्यान यहाँ उन कारकों पर अधिकृत गया है जिससे पूर्वाग्रह तथा विभेद प्रभावित होते हैं। ऐसे कारकों में तीन तरह के कारक को समाज मनोवैज्ञानिकों ने अधिक बतलाया है - सांस्कृतिक कारक (cultural factors), सामाजिक कारक (social factors) तथा व्यक्तित्व से संबंधित कारक (Personality factors). पूर्वाग्रह को मापने के लिए समाज मनोवैज्ञानिकों ने कुछ मापनी (scale) का भी निर्माण किया है। फेल्डमैन तथा डोनोहो (Feldman तथा Donohoe, 1978) पूर्वाग्रह को मापने के लिए अशाब्दिक प्रविधियों (nonverbal techniques) पर अधिक बल डाले हैं। कुछ मनोवैज्ञानिकों जैसे क्रासबाइ, ब्रोमले तथा सैक्स (Crosby, Bromley & sax, 1980) ने पूर्वाग्रह की माप के लिए व्यक्ति की कुछ स्पष्ट क्रियाओं (overt activities) के अध्ययन पर अधिक बल डाला है। मनोवैज्ञानिकों ने पूर्वाग्रह की व्याख्या करने के लिए भिन्न-भिन्न तरह के सिद्धान्तों (theories) या उपागमों (approach), मनोविश्लेषणात्मक उपागम (psychoanalytic approach), संज्ञानात्मक उपागम (cognitive approach) आदि प्रमुख हैं।

4. अन्तर्वैयक्तिक आकर्षण (Interpersonal attraction)
अंतर्वैयक्तिक भी आधुनिक समाज मनोवैज्ञानिक का एक महत्वपूर्ण कार्य-क्षेत्र है।

(5) जनमत तथा प्रचार (Public opinion and Propaganda)
जनमत तथा प्रचार भी सामाजिक मनोवैज्ञानिकों के लिए एक प्रमुख कार्यक्षेत्र रहा है।

Teacher's Signature ....

इसके सहारे किसी सार्वजनिक समस्या के प्रति व्यक्तियों के विचारों एवं मतों का पता चलता है। P.T.O